बी ई एम एल
beml
NEW FRONTIERS. NEW DREAMS

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस

प्रिय साथियों,

भारत सरकार ने 11 मई 1998 को पहले पहल किए गए पाँच परमाणु परीक्षणों के स्मरण करने के उद्देश्य से 11 मई को आधिकारिक तौर पर भारत के राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस स्वरूप मनाने की घोषणा की है।

जैसा कि आप सभी जानते हैं, प्रौद्योगिकी ने मानव जाति के जीवन और संकर्म में परिवर्तन लाया है और लोगों की जीवन शैली में संपूर्ण परिवर्तन लाया है। प्रौद्योगिकी ने मनुष्यों को जीवन में उच्च लक्ष्य हासिल करने में सक्षम बनाया। इसने मानवता के लिए कई नई संभावनाओं को खोलने के साथ देशों और लोगों के बीज संपर्क भी स्थापित किया है।

यह एक सुस्थापित तथ्य यह है कि प्रौद्योगिकी महान संबल और एक खेल परिवर्तक है, जो लोगों, समाज और राष्ट्र की जीवन स्तर बदलने में शक्ति प्रदान करती है। स्टीम इंजन के आविष्कार के साथ सहस्राब्दी की दूसरी छमाही की शुरूआत से, मांसपेशियों की शक्ति यांत्रिक शक्ति के रूप में परिवर्तित होकर और उसके बाद विद्युत शक्ति द्वारा प्रतिस्थापित होने लगी। इन प्रौद्योगिकियों ने बड़े पैमाने पर कृषि को संभव बनाया जो दुनिया भर में बढ़ती आबादी को खिला सकती है।

इसके बाद के नवाचारों ने गतिशीलता, कनेक्टिविटी, संचार, चिकित्सा प्रौद्योगिकी और डिजिटल प्रौद्योगिकी आदि को इस तरह से बदल दिया कि पूरी दुनिया एक जुड़ी हुई दुनिया बन गई।

इस पृष्ठभूमि में हमारे लिए यह महत्वपूर्ण एवं समुचित है कि हम अपने जीवन के साथ – साथ हमारे उत्पोदों में भी प्रौद्योगिकी एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है और इसीलिए राष्ट्र में इस दिवस को प्रौद्योगिकी दिवस का रूप में मनाया जाता है।

आजादी के बाद से लेकर हमारे देश ने महत्वपूर्ण प्रगति की है। राष्ट्र ने इसकी तकनीकी यात्रा में बहुत तेजी के साथ आगे कदम रखा है। अर्थव्यवस्था के पूरे प्रमुख क्षेत्रों अर्थात् इस्पात, कोयला, ऊर्जा, रेल, बंदरगाह और हवाई अड्डों के क्षेत्रों में अधिकांश रूप में विदेशी देशों के साथ प्रौद्योगिकी टाई – अप स्थापित किया है।

लाइसेंस के तहत स्वदेशीकरण और स्थानीय विनिर्माण ने बड़ी संख्या में तकनीशियनों, इंजीनियरों को प्रौद्योगिकी के प्रसार में मदद की, जिसने देश में विनिर्माण पर्यावरण प्रणाली को तेजी से ऊपर उठाया। जैसा कि इंजीनियरों ने इन तकनीकों को समय के साथ अवशोषित किया, स्थानीय उद्योगों और आर एंड डी प्रतिष्ठानों ने अपने स्वयं के आंतरिक रूप में विकसित प्रौद्योगिकियों के साथ बाहर आना शुरू कर दिया। इसरो, बीएआरसी और डीआरडीओ जैसे संगठनों द्वारा किए गए प्रयासों के कारण, जिन्होंने विदेशी शक्तियों से प्रौद्योगिकी से इनकार करने वाले पहले उपग्रह, परमाणु ऊर्जा संयंत्र और परमाणु हथियार और मिसाइल बनाए, ने देशों को सर्वो नियंत्रण, मार्गदर्शन प्रणाली, जीपीएस, सेंसर, टाइटेनियम मिश्र धातु घटक आदि जैसे महत्वपूर्ण तकनीकी क्षेत्रों में प्रवेश करने में मदद की। ।

प्रमुख आकर्षण इस प्रकार हैं : - भारत मौसम की भविष्यवाणी के लिए अपना खुद का सुपर कंप्यूटर बना रहा है, जब उसे इनकार किया गया था और न्यूक्लियर ऊर्जावाली पनडुब्बियों का विकास हुआ था। पीएसएलवी और जीएसएलवी श्रृंखला के लॉन्च वाहनों के विकास और परिचय ने विकसित देशों के उपग्रहों को लॉन्च करके देश की तकनीकी क्षमता को दुनिया के सामने दिखाने में मदद की।

आज भारत और भारतीयों की वैश्विक छवि दुनिया भर में हमारे आईटी इंजीनियरों द्वारा की गई प्रगति के पीछे खड़ी है। गूगल और माइक्रोसॉफ्ट जैसी दुनिया की बड़ी टेक कंपनियां भारतीय इंजीनियरों की अगुवाई में कार्यरत हैं और भविष्य की प्रौद्योगिकियों के लिए कई अग्रदूत भारत द्वारा ऊष्मायन किए जा रहे हैं।

वैश्विक महामारी के बीच में आज, भारत ने अपने स्वयं का वैक्सीन तैयार करके लॉन्च करने में सफल रहा है और भारत दुनिया के फार्मेसी के रूप में अपनी प्रतिष्ठा के साथ हमारे देश की तुलना में हमसे पहले इसके दूसरे लहर में गुजर रहे कई देशों को मदद कर सकता है। इन प्रयासों के कारण बनी छवि और सद्भावना तब काम आई है, जब हम दूसरी लहर से लड़ रहे हैं।

हम, बीईएमएल में, गर्व महसूस करते हैं कि राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस हमारे स्थापना दिवस के साथ मेल खाता है। बीईएमएल को राष्ट्र के लिए आवश्यक रूप से आवश्यक उत्पाद / प्रक्रिया प्रौद्योगिकियों को सीखने, अपनाने और विकसित करने के उद्देश्य से स्थापित किया गया था।

बीईएमएल का दृढ़ता से मानना है कि स्वदेशी तकनीक के सिद्धांतों से मजबूत, स्वस्थ और मजबूत संगठन का निर्माण होगा। बीईएमएल ने महत्वपूर्ण अवसंरचना, डिजाइन, विकास और परीक्षण गतिविधियों के लिए महत्वपूर्ण स्थापित करने में काफी निवेश किया है।

हमारा अनुसंधान एवं विकास व्यय 2.64% पर कुल बिक्री के प्रतिशत के रूप में सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों में सबसे अधिक है।

हमारी प्रौद्योगिकी टीमों के प्रयासों, अर्थात् आर एंड डी और उत्पाद डिजाइन टीमों ने हमारे उत्पाद पोर्टफोलियो में तकनीकी रूप में बेहतर उत्पादों के सफल संयोजन का परिणाम दिया है। 2020-21 में आंतरिक अनुसंधान एवं विकास द्वारा विकसित उत्पादों से बिक्री सकल कारोबार में 68% पर था।

हमारे अनुसंधान एवं विकास द्वारा विकसित कुछ सफल उत्पाद इस प्रकार हैं : -

- 150 टन, 205 टन इलेक्ट्रिक रियर डंप ट्रक
- 180 टन इलेक्ट्रिक और डीजल एक्स्क्यावेटर
- 860 एचपी डोज़र
- मध्यम बुलेट प्रूफ वाहन
- एमआरएस1 के लिए पहली चालकरहित मेट्रो ट्रेन
- 3 फ़स मेमू

कंपनी की बौद्धिक संपदा की रक्षा करने के लिए, इनोवेशन सेल ने उत्पाद डिज़ाइन, विनिर्माण और संचालन में नवाचारों को शामि करते हुए पिछले वर्ष 55 पेटेंट दाखिल करने में सफलता हासिल की है। अब तक दिए गए 8 पेटेंट के साथ कुल आईपीआर 210 पर दर्ज हुआ।

हमें 'मेक इन इंडिया' के देश के वादे को पूरा करने और विकास इंजन को क्रैंक करने में महत्वपूर्ण योगदान देने की अपनी क्षमता का लाभ उठाने के लिए ध्यान केंद्रित और रणनीतिक रहने की आवश्यकता है।

बीईएमएल को अपने ग्राहकों और यहां तक कि रक्षा मंत्रालय द्वारा अपनी विनिर्माण क्षमता और तकनीकी क्षमताओं के लिए मान्यता प्राप्त होने पर गर्व है । जब राष्ट्र ऑक्सीजन की कमी के संकट का सामना कर रहा है, बीईएमएल को 150 ऑक्सीजन संयंत्रों के निर्माण का कार्य सौंपा गया था ।

डीएमआरसीएल, एमएमआरसीएल, केएमआरसीएल और बीएमआरसीएल जैसे हमारे ग्राहकों ने चालकरहित मेट्रो ट्रेनों सहित नई मेट्रो ट्रेन कॉन्फ़िगरेशन के निर्माण के लिए हमें योग्यता देकर बीईएमएल तकनीकी क्षमताओं में अपना विश्वास दोहराया है।

कोल इंडिया लिमिटेड ने बीईएमएल को 150 टन, 200 टन डंपर विकसित करने और आपूर्ति करने का कार्य सौंपा है और हम 240 टन डम्पर विकसित करने की दौड़ में जल्द ही शामिल होंगे। हाई एंड उपकरण, जैसे 860 एचपी डोजर, 10 घन मीटर वर्ग शॉवेल, के आगे के विकास कार्य को आयात प्रतिस्थापन उत्पादों के रूप में बीईएमएल को सौंपा गया है, जो देश का आत्मनिर्भरता के लिए बड़ा योगदान देगा।

बीईएमएल को डीआरडीओ द्वारा भारतीय सेना के लिए फ्यूचरिस्टिक मुख्य युद्धक टैंक के लिए 1500एचपी इंजन के विकास का प्रतिष्ठित कार्य सौंपा गया है, जो नई तकनीकों को विकसित करने की हमारी क्षमता के बारे में विवरण देता है।

सुरक्षित रहें, स्वस्थ रहें, फिट रहें ------- सचेत रहें, सीखते रहें, आगे रहें

एम.वी. राजशेखर

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

बीईएमएल लिमिटेड 11 मई 2021